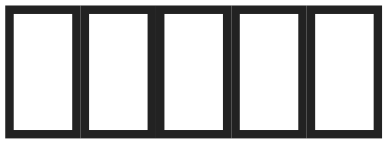
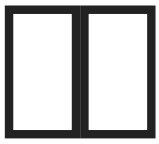


निकाह का मक़सद , पति और पत्नी के हक़ और ज़िम्मेदारियाँ , और मुश्किल
वक़्त में क़ुरआन और सुन्नत की रहनुमाई।

निकाह का मक़सद : सुकून , मुहब्बत और रहमत
मियाँ बीवी के हक़: दोनों तरफ़ की ज़िम्मेदारी
अच्छे पति की ख़ूबियाँ
पति की ज़िम्मेदारियाँ
नेक पत्नी की ख़ूबियाँ
पत्नी की ज़िम्मेदारियाँ
जिन बातों से रिश्ते को बचाना है घर का ज़िम्मेदार , बात मानना और उसकी हद
जब रिश्ता मुश्किल हो जाए



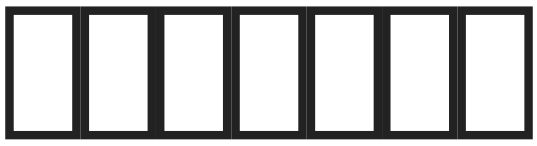


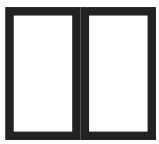


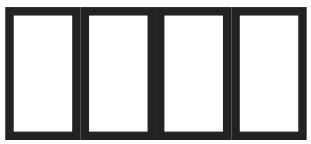


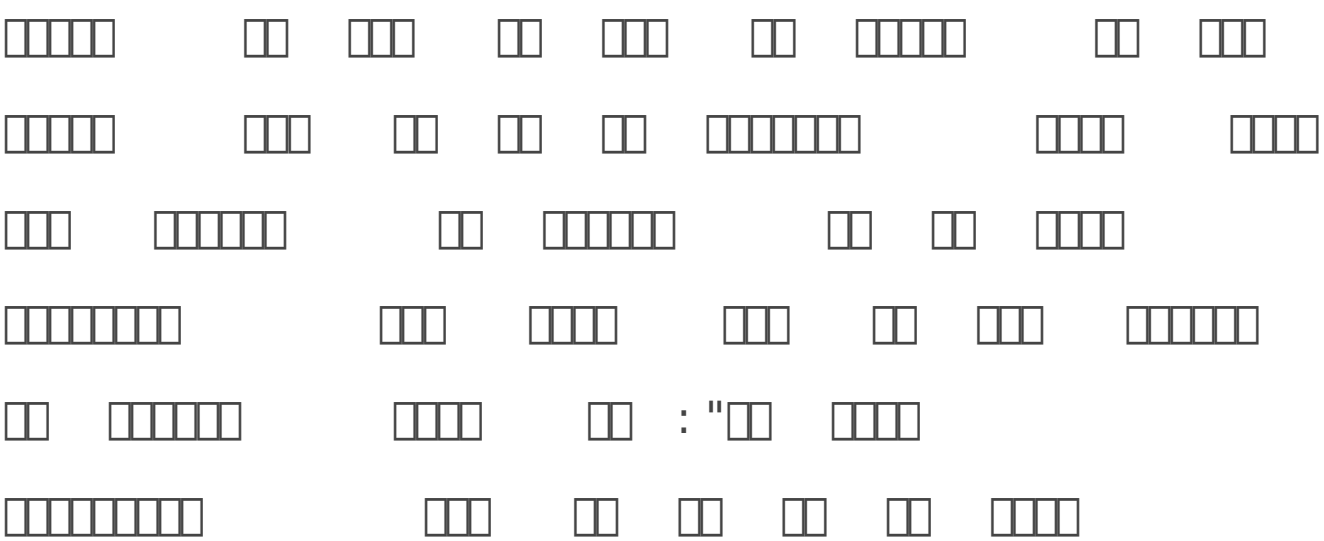












तुम्हारे लिए तुम ही में से जीवन साथी बनाए, ताकि तुम उनके पास सुकून पाओ, और उसने तुम्हारे बीच मुहब्बत और रहमत
रख दी। बेशक इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ हैं जो सोचते समझते हैं। "1

इस एक आयत में निकाह का पूरा मक़सद आ गया है। पहली बात है सुकून , यानी घर
ऐसी जगह हो जहाँ दिन भर की थकान उतर
जाए। दूसरी बात है मुहब्बत , जो दिल
में भी हो और बातचीत और बर्ताव में भी दिखे। और तीसरी बात है रहमत, यानी वह नरमी और हमदर्दी जो बीमारी , बुढ़ापे
और मुश्किल वक़्त में भी साथ निभाए।
आयत यह भी बताती है कि यह मुहब्बत और रहमत अल्लाह ने ख़ुद रखी है। इसलिए
इसके बढ़ने की दुआ भी उसी से की जा सकती है।

यह रिश्ता इतना गहरा क्यों है, इसका इशारा एक और आयत में मिलता है: "ऐ लोगो, अपने रब से डरो जिसने तुम्हें एक जान से पैदा किया और उसी से उसका जोड़ा
बनाया। "2 पति और पत्नी की असल एक ही है, और रब भी एक ही है। इसी लिए वे एक दूसरे
के साथी हैं, और एक दूसरे के दुख सुख को अपना समझते हैं।

एक दूसरे का लिबास

इस नज़दीकी को समझाने के लिए क़ुरआन
ने एक बहुत प्यारी मिसाल दी है: "वे तुम्हारे लिए लिबास हैं और तुम उनके लिए लिबास हो। "3 यहाँ एक ही लफ़्ज़
दोनों के लिए आया है। लिबास इंसान के सबसे क़रीब होता है। वह उसकी कमियों

□□□□□ □□ □□□

□□ □□□□□□□ □□

□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□

□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □ □□ □□□□□□

□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□

□□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□

□□□□□□ □□□□□ , □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□

□□□□□ □□ , □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□□

□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □ □□ □□□□□□□ □□□□□□ : "

□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□

□□□□□□□ □□ □□□□ , □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□

□□□□□ □□ □□□□ , □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□

□□□□□ □□□□□ "6 □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□

□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □ □□

□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□

□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□

□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ , □□ □□□□ □□□□□ □□

यह भी अल्लाह को ख़ुश करने का एक
रास्ता है। और उसी से यह दुआ माँगते
रहिए जो क़ुरआन ने सिखाई है: "ऐ हमारे रब, हमें हमारे जीवन साथियों और हमारी औलाद से आँखों की ठंडक दे, और हमें अल्लाह से डरने वालों के लिए आगे चलने वाला बना। "7 आमीन।

संदर्भ :

1 क़ुरआन 30:21,

2 क़ुरआन 4:1,

3

क़ुरआन 2:187,

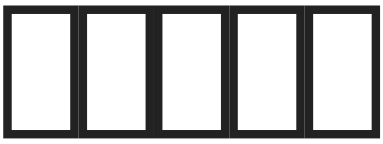
4 क़ुरआन 4:21,

5 क़ुरआन 33:7,

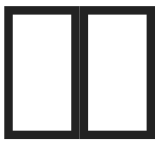
6

सहीह अल -बुख़ारी 5063,

7 क़ुरआन 25:74.

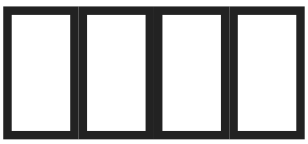


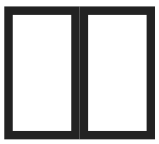






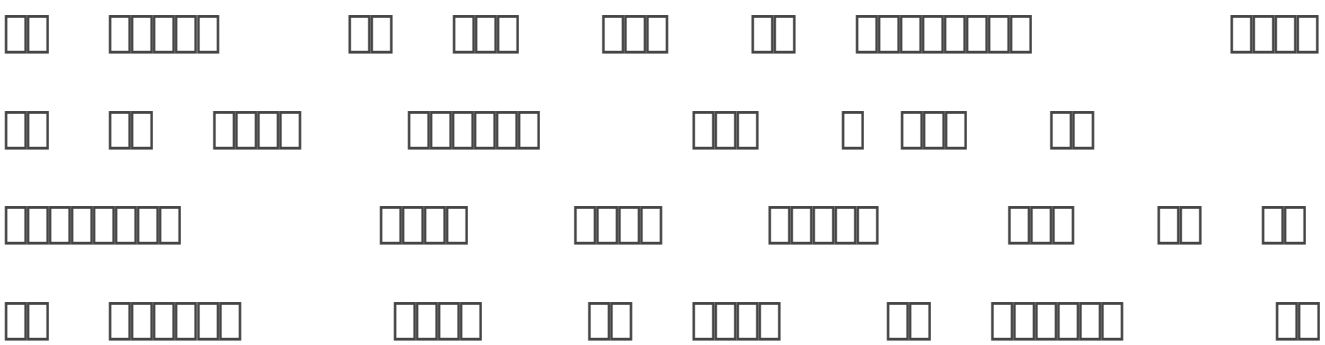












□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ , □□ □□□□□□
□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□
□□ □□□□ □□ : "□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□□
□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□
□□□□□□□□□□□□□□□□ □□□□□ "1

□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□
□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□
□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□ □□
□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□
□□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□
□□□□□□ □□□□ , □□□□□□ □□□□ □□ , □□ □□□□□□□ □□
□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□

□□ □□□□□□

□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□
□□□□□ □□ □□ □□□□ □ □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□
□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□

□□ □□□□□□□□ : "□□□□□ □□ □□□□ □□□□
□□□□□□□ □□ □□□□ , □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□
□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ "2 □□□□□
□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□
□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□
□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ , □□ □□□□□ □□□□□□□ □□
□□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □ □□□□□
□□□□

□□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □ □□
□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ : "□□□□□ !
□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ ,
□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□
□□□□□ "3 □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□
□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□
□□□□□□ □□ □ □□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □ □□ ,
□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□
□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ 3 □□ □□ □□ □□□□□ □□
□□□□□□ □□□□ , □□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□
□□□□□□ □□□□□ □□□□

□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□□□
□□ □□□ □□□□□□ □□□ □ □□ □□□□□□□ : "□□□
□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□□
□□□ , □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□ , □□□□
□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□ □□□□
□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ "4 □□
□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ , □□□ □□
□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□
□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□
□□ , □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□□
□□□□ □□ □□□ , □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□
□□□

□□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□
□□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□ □ □□
□□□□□□□ : "□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□
□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□
□□□□ □□□□ , □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□
□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□
□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ "5 □□ □□□□

□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□ , □□ □□□

□□□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□

□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□ □□□ □□□□□

□□ □□□ □□□ □□□□□□ : "□□□□□□ □□ □□□□ □□

□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□

□□□□ □□□□□ □□ □□□□ , □□ □□□ □□ □ □□□ □□

□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□

□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□ , □□

□□□ □□ □ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□

□□□□□□□ "8 □□□□□ , □□□ □□□□□ □□ □□□ □□

□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□ , □□ □□□□□ □□

□□ □□□ □□ □□□

□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□

□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□

□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □ □□

□□□□□□ □□□□□□ : "□□□□□□□□ □□□□□ □□

□□□ □□ □□□ □□ , □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□

□□ □□□ □□ , □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□

पर हक़ है। "9 यानी पत्नी के साथ वक़्त बिताना भी दीन का ही हिस्सा है।

जब पति और पत्नी एक दूसरे का ख़याल अल्लाह के लिए रखने लगते हैं, तो छोटे छोटे काम भी इबादत बन जाते हैं।
अल्लाह तआला हर पति और पत्नी को एक दूसरे के लिए सुकून और ख़ुशी का ज़रिया बनाए। आमीन।

संदर्भ :

1 क़ुरआन 2:228,

2 सहीह मुस्लिम
1218a,

3 जामे तिरमिज़ी 1163,

4 सहीह अल -
बुख़ारी 56,

5 सहीह अल -बुख़ारी 2554,

6

क़ुरआन 4:19,

7 तफ़्सीर इब्न कसीर 4:19,

8

सुनन अबू दाऊद 1308,

9 सहीह अल -बुख़ारी

5199.

□□ □□□ □□□

□□□□

□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □
□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□□
: "□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□ ,
□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□
□□□ □□□ □□□□ □□□ "2 □□□□□□□ □□ □□□□ ,
□□□□□ □□ □□□□□□ , □□ □□□ □□ □□ □□ □□□
□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□
□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□
□□ , □□ □□ □□□ □ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□
□□□ □□□□ □□ , □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□
□□□ □□ □□□ □□□□ □□□

□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□
□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□
□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□

□□□ : "□□□□□ □□ □ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□
□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□
□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□
□□□□ □□ , □□ □□□□□□□ : □□ □□ □□□ □□ □□□□
□□□ "3 □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□
□□□ □□ , □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□
□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□
□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□
□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□

□□□ □□ □□□

□□□□□

□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□
□□□ □□□ □ □□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□
□□□□□□ : "□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□ □□
□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□□□ "
□□□□□□ □□□ □□□ ? □□ □□ □□□□□□

□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□
□□ □□□□□ □ □□□□ □□□□□ , □□□ □ □□ □□□
□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□
□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□
□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□ , □□□□
□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□
□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□
□□□□□□ □□□ □□□ , □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□
: "□□□□□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ " □□□ □□□
□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□
□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ 6 □□
□□□□□□ □□□ □ □□□□ □□ □□□□□□ □□ , □
□□□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□
□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□

□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □ □□ □□ □□□□ □□
□□□ □□□ □□□ □□□□ : "□□□ □□□□□ □□□□
□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □ □□□□ □□□
□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□ □□ , □□ □□□□□
□□□ □□□□ □□□□□ "7 □□ □□□□ □□□□□□□□ □□

रहती है तो वही पत्नी हर दिन एक नेमत लगती है। अल्लाह तआला हर पति को अपने घर वालों के लिए सबसे अच्छा बनने की तौफ़ीक़ दे। आमीन।

संदर्भ :

1 जामे तिरमिज़ी 3895,

2 सहीह अल
-बुख़ारी 676,

3 सुनन अबू दाऊद 2578,

4 सहीह
अल -बुख़ारी 5228,

5 सहीह मुस्लिम 300,

6

सहीह अल -बुख़ारी 5225,

7 सहीह मुस्लिम

1468b.

पति की ज़िम्मेदा

रियाँ

निकाह के साथ एक मर्द की ज़िंदगी में एक नई ज़िम्मेदारी आती है। अब कोई है जो उसके भरोसे अपना घर छोड़कर आई है। इस ज़िम्मेदारी की शुरुआत एक तोहफ़े से होती है। क़ुरआन कहता है: "और औरतों को उनके महर ख़ुशी ख़ुशी दो। "1 यानी महर कोई बोझ या रस्म नहीं, बल्कि
पत्नी का हक़ है, जो पति दिल की ख़ुशी से उसे देता है। यह नए घर की पहली
अच्छी शुरुआत है।

□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□

□□ □□ □□ □□ □□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□

□□□□□ □□□ □ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□

□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□ : "□□ □□□□□ □□

□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□

□□□□ , □□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□

□□□ □□□□ , □□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□

□□□□□ □□□ □□□□ , □□ □□ □□ □□ □□□□ □□

□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□

□□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□

□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ "3

□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □ □□

□□□□□□ : "□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□

□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ , □□ □□

□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ "4 □□ □□ □□□□

□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ , □□ □□□ □□□

□□□ □□□ □□ , □□ □□ □□□□□ □□ □□□

□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□

□□ □□□ □ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□

□□□□ □□ □□□ □□□□ , □□□□□ □□ □□□□□

□□□□ □□□□ □□□

□□ □□□□□ □□ □□□ □ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□

□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□ : "

□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□ , □□ □□ □□□

□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ "5 □□□□□ □□□□□

□□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□

□□□□ □□□□ □□ , □□□ □□□□□ □□ □□□ □□

□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□ □□

□□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□□ 5 □□□□

□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□

□□□ , □□□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□

□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□

□□□□□ □□□□ □□□□

□□□□□ □□ □□□

□□ □□□□□

□□□ □□□□ □□□□ □□ , □□ □□□ □□□□ □□□□□

□□□ "8 □□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□

□□ , □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□

□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□

□□ □□ □□□ □□

□□□□□□

□□ □□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□

□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □ □□

□□□ □□□ : "□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□

□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□ □□ □□□ □□□□

"9 □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□

□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□

□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□

□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□

□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□

□□□

जब पति यह सब अल्लाह के लिए करता है, तो उसकी थकान भी सवाब बन जाती है और उसका घर भी सुकून की जगह। अल्लाह तआला हर पति को यह ज़िम्मेदारी ख़ुशी से
निभाने की तौफ़ीक़ दे। आमीन।

संदर्भ :

1 क़ुरआन 4:4,

2 क़ुरआन 65:7,

3

सहीह मुस्लिम 995,

4 सहीह अल -बुख़ारी
5351,

5 सुनन अबू दाऊद 2142,

6 सहीह अल -
बुख़ारी 5244,

7 सहीह अल -बुख़ारी 5246,

8

सहीह मुस्लिम 1006,

9 क़ुरआन 20:132.

□□□ □□□□□

□□

□□□□□□□□□□

□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □ □□ □□□□□□□□ : "□□ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ , □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ "1 □□□□□□ , □□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ , □□□□□□ □□□□ □ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□

□□□□□ □□

□□□□ □□□□□□□

□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□

□□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □ □□

□□□□□□□□ : "□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□

□□□□□□ □□□□□ , □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ ,

□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ , □□ □□□□□□ □□ □□□□

□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ "2 □□

□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□

□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□

□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□

□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□

□□□□□□ □□□□ □□ , □□□□□□□□ □□□□ □ □□

□□□□□□□□ □□ : "□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□

□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ "3

□□ □□□ □□ □□□ □ □□ □□□ □□□□ □□□□□□□

□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□□

□□□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□

□□□□ , □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□

□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□

□□□□□□ 6 □□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□

□□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□□ □□□ 7

□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□

□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □ □□ □□□□□

□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□

□□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□ , □□□□□

□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□

□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□

□□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□

□□□ □ □□□□ , □□ □□□□ □□□□ □□□□

□□□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□

□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□ , □□ □□ □□□□□ □□

□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□

□□□□ 8 □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□

□□□□□ □□□□□□□□ , □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□
□□□□□□ □□ □□□□□ □□ , □□ □□□□ □ □□ □□□□□
□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□
□□□□□□□□□

□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□
: "□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ , □□□□□ □□ □□ □□□□ , □□
□□ □□□□□□ □□ , □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□
□□□□□□□□ □□□□□□ , □□ □□□□□□□ □□□□□
□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ "9 □□
□□□□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□
□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□
□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□
□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□
□□□□□□

□□□□□□□ : [1] □□□□□ □□□□□□□□ 1467, [2]
□□□□□□□□□□ □□□□□□□ 3254, [3] □□□□□ □□ -
□□□□□□□□ 7257, [4] □□□□□ □□□□□ 3231, [5] □□□□□ □□ -
□□□□□□□□ 3, [6] □□□□□ □□ -□□□□□□□□ 3818, [7]

□□□□ □□□□□□□ 2435a, [8] □□□□ □□ -□□□□□□□ 2731, [9] □□□□□□ 16:97.

□□□□□□ □□

□□□□□ , □□ □□

□□□□□

□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □

□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□

□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□

□□□□□□□ : "□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□

□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□

□□□□□□□ □□□□ □□□ , □□ □□□□ □□□ □□ □□□

□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ "2 □□□□

□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□

□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□

□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□

□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□ □□ □□□□□ ,

□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□

□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□

□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□ , □□
□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□ □□□□□
□□□

□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□
□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □ □□
□□□□□□□ : "□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□
□□□□□ □□ □□□ □□ , □□ □□ □□ □□□□□□□ □
□□□ , □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□
□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□
□□□□ □□□□□ □□□ "3 □□ □□□ □□ □□□□
□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□
□□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ ,
□□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□
□□□□□ 4 □□□□□ , □□□ □□□□□ □□ , □□□□ □□□
□□ □□□□ □□ , □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□
□□□ □□□

□□□□□ □□

□□□□□□

□□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □ □□ □□□□□□□ □□ □□□ "□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □ □□□ □□□ "5 □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□ , □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ 6 □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□ □□ , □□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□

□□□ □□□ □□□ □ □□ □□ □□ □□□ □□□□□□ : " □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □ □□□□ "7،8 □□ □□□□□ □□□□□□ □□

□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ , □□□□□ □□□□□□□

□□□□□ □□ □□ , □□ □□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□

□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□

□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ 6 □□□□

□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□

□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□

□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□

□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ , □□ □□□ □ □□

□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□

□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ 9 □□□□ □□□□□□ □□

□□□□ □□□□ □□□ , □□ □□ □□□□□ □□ □□□

□□□□ □□□□

□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ ,

□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□

□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□

□□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□

□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□

□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□

□□□□□□□ □□□□□

□□□□□□ : [1] □□□□ □□ -□□□□□□ 5200, [2] □□□□ □□ -□□□□□□ 5365, [3] □□□□ □□□□□□□ 672, [4] □□□□□□ □□□□ 9/297, [5] □□□□ □□ -□□□□□ 5195, [6] □□□□□□ □□□□ 9/296, [7] □□□□ □□□ □□□□ 2458, [8] □□□□ □□ -□□□□□ 5192, [9] □□□□ □□ -□□□□□ 5199.

□□□ □□□□□

□□ □□□□□□

□□ □□□□□

□□

□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□ ,
□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□
□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□ , □□ □□□□
□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □ □□
□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□
□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□
□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□
□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□ □□

□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□
□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□
□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□
□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□
□□□□ □□□□□ □□□□ 1 □□□□ □□□ □□□□ □□
□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□
□□□ □□□ □□□ □□□ □ □□ □□□ □□ □□□□□
□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□
□□□□□□□ □□ □□□□ , □□□□ □□□□ □□
□□□□□□□ □□□□

□□□ □□ □□□

□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□
□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ , □□□□□ □□□ □ □□
□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ : "□□□□ □□
□□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□
□□ □□□□ □□□□□ □ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□
□□□□□□□ □□□ "2 □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□

□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□
□□□□ □□□□ □□ □□ □□ , □□□ □□
□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□

□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□ □□
□□□□□□ □□ □□□□□□ □ □□□ □□ , □□□□
□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□
□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□
□□ □ □□ □□ □□□ □□□ □□ □□ □□□
□□□□□ 3 □□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□
□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□ ,
□□ □□ □□ □□□□□□ : "□□□ □□□ □□□ □□□
□□□□ □□□ □□□ □□□ "4 □□□ □□ □□□
□□ □ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□ ,
□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□
□□ □□□ □□□ □□□ □□□

□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□ , □□□□□□
□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□
□□□ □□ , □□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□

□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □ □□ □□□

□□□□□□ : "□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□

□□□ □□□ "5 □□□□□ □□ □□□□□ , □□□□□ □□

□□□□□□ , □□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□

□□□□□ □□ □□□

□□□ □□□ □□□ □ □□ □□□□□ □□ □□ □□□

□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□

□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□

□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ : "□□□

□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□

□□□□□ □□□ , □□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□

□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□ , □□ □□ □□□□ :

□□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□

"6,7 □□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□

□□□□□ □□ □ □□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□

□□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□

□□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ , □□ □□□□ □□

□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □ □□

□□□□□□□ : "□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□

□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ , □□ □□

□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□ "11،12 □□□□□ "

□□□□□ □□□ □□ □□□□□ " □□ □□□□□□ □□□□

□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□

□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ , □□ □□ □□ □□□

□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□

□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□

□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□

□□□□□ □□ □□□

□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□

□□□ □□ □□□ □□□ , □□ □□□ □□□□ □□□□ □□

□□□□□□ □□ □□□□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □ □□

□□□□□□□ : "□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□

□□□□□□□ □□□□□□ , □□ □□ □□□ □□ □□□□ "13

□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□

□ □□□□□ , □□□□□□ □□ □ □□ □□□□□□□ : "□□
□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ , □□
□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□
□□□□□ "14 □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□
□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□
□□□□ □□□

□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ , □□ □□
□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□
□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□
□□ □□□□□ □□ □□□□ , □□ □□□□ □□□□ □□
□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□
□□□□

□□□□□ : [1] □□□□ □□□□□□ 2813b, [2] □□□□ □□□ □□□□ 1692, [3] □□□□ □□□□□□ 2328a, [4] □□□□ □□□ □□□□ 2146, [5] □□□□ □□ -□□□□□□ 5199, [6] □□□□ □□ -□□□□□□ 29, [7] □□□□ □□□□□□ 907, [8] □□□□ □□ -□□□□□□ 3237, [9] □□□□□□ □□□□□□ 1749, [10] □□□□□□

बारी 9/294,

11 सुनन इब्न माजह 2055,

12 सुनन
अबू दाऊद 2226,

13 सुनन अबू दाऊद 2175,

14

सुनन अबू दाऊद 4811.

घर का ज़िम्मेदा

र, बात

मानना और उसकी हद

हर घर को चलाने के लिए कोई न कोई ज़िम्मेदार चाहिए होता है, जो फ़ैसले का बोझ भी उठाए और घर की फ़िक्र भी करे। क़ुरआन ने यह ज़िम्मेदारी मर्द पर डाली है: "मर्द औरतों के
ज़िम्मेदार हैं, इस वजह से कि अल्लाह

□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□□

□□ : "□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□

□□□ , □□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□

□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□

□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□ "1 □□ □□

□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ , □□ □□□□ □□□ □□

□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□

□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □ □□

□□□□□□□ : "□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□

□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□

□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ "4 □□□□ □□□

□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□□

□□□□□□ □□□□ □□ , □□ □□□□□ □□ □□□

□□□□□ □□□□□□ □□□□□

□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□ ,

□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□

□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□

□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□ , □□□□□□□□□□

□□□ □□ : "□ □□□□ □□ , □□□□ □□□ □□□□ □□□

□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□ , □□ □□□□□

□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ "5 □□

□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ , □□□□□□□ □□□□□ □□

□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ ,

□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□

□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□

□□□□ □ □□ □□□□□□□□□ : "□□□□ □□□□ □□□□ □□

□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□

□□□□□□ , □□ □□ □□□□ □ □□□□□□ "6 □□ □□□□□□□ □□

□□□□□□□□ : "□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□

, □□ □□□□□□□□ □ □□□□□□ "7

□□ □□□□ □□□□□

□□□□□□□ □□□□

□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □ □□ ,

□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□

□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□

□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□

□□□□ □□□ 8,9 □□□□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□

□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□

□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ , □□

□□ □□□ □□ □□□ □□ , □□□□ □□□ □□

□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□

□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□

□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □ □□ □□□□ □□

□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□

□□□□□ □ □□ , □□□□□ □ □□□ □□□ □□ □ □□□□□

□□□□ 10, □□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□

□□□ □□□□□ 11 □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□

, □□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□

□□□□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□ □□□□□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□

□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ , □□ □□□□□□

□□□□ □□□□ □□□□ □□□ 2

□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□

□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □ □□□□ □□□□□

□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□
□□ □□□ □□□□ □□□□□□ 12 □□ □□ □□ □□□ □□
□□□□□□□ □□□ □□ , □□ □□ □□ □□□□□□□□ □□
□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □ □□□□ 13,
□□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□
□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□□ : "□□□□□□
□□ □□□□□□□ □□ □ □□□□□ "14 □□ □□□□□
□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□ : "□□□ □□□□
□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ "14
□□□□□ □□□□ □□□ □□ , □□□□ □□□□□□□□
□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □ □□
□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □
□□□ □□□□ □□ , □□□ □□□ □□□□□□ □□□
□□□

□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□
□□□□□□□ □□ □□□□ □□ , □□ □□ □□□ □□
□□□ □□□ □ □□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□ ,
□□□ □□□□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□
□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□

□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□
□□ , □□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□□□
□□□□ □ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□
□□□□ □□□□□□

□□□□□□□ : [1] □□□□□□□ 4:34, [2] □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ 4:34, [3] □□□□□□□ 2:228, [4] □□□□□ □□ - □□□□□□□□ 7257, [5] □□□□□□□ 66:11, [6] □□□□□ □□ - □□□□□□□□ 5238, [7] □□□□□ □□□□□□□□ 443b, [8] □□□□□ □□□□□□□□ 1218a, [9] □□□□□ □□□□□□□□□ 1163, [10] □□□□□ □□□□□ □□□□□ 1851, [11] □□□□□ □□□□ □□□□□ 2142, [12] □□□□□ □□□□□□□□ 2328a, [13] □□□□□ □□ - □□□□□□□□ 5225, [14] □□□□□ □□□□ □□□□□ 2146.

जब रिश्ता मुश्किल

हो जाए

हर रिश्ते में कभी न कभी मुश्किल दिन आते हैं। दो अलग इंसान जब साथ रहते
हैं तो कभी बात बिगड़ भी जाती है, और इसमें घबराने की कोई बात नहीं।
क़ुरआन ने ऐसे वक़्त के लिए भी
रहनुमाई दी है, और इसकी शुरुआत सब्र
से होती है। मर्द से कहा गया: "अगर वे तुम्हें नापसंद हों, तो हो सकता है कि तुम एक चीज़ को नापसंद करो और अल्लाह उसमें बहुत सी भलाई रख दे। "1 जिस बात से आज दिल दुखा है, हो सकता है उसी

रिश्ते में अल्लाह ने कल के लिए बहुत सी ख़ुशी रखी हो। इसलिए मुश्किल
वक़्त में पहला क़दम जल्दी का नहीं, ठहरकर सोचने का है।

आपस में सुलह

ठहरकर सोचने के बाद बातचीत का रास्ता है। क़ुरआन औरत की तरफ़ से इस बात को यूँ बयान करता है: "और अगर किसी औरत को अपने पति से बदसुलूकी या बेरुख़ी का डर हो, तो दोनों पर कोई गुनाह नहीं कि आपस में सुलह कर लें, और सुलह बेहतर
है। "2 यानी पत्नी भी अपनी परेशानी कह सकती है, और दोनों मिलकर कोई रास्ता निकाल सकते हैं। इसी आयत में आगे कहा गया: "और अगर तुम अच्छा बर्ताव करो और अल्लाह से डरो, तो अल्लाह तुम्हारे
कामों से ख़ूब वाक़िफ़ है। "2 सुलह में

□□□ □□□ □□□□

□□□□□□ □ □□□

□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□

□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□

□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□

□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□ : "□□ □□ □□ □□□

□□□□□□ □□ □□□ , □□ □□□□□ □□□□□□ □□

□□□□ □□□ "4 □□ □□ □□ □□□ : "□□ □□□□□□

□□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □ □□□□ , □□□□

□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ , □□□□

□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□ "5 □□□ □□ □□

□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □□ □□ □□

□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□

□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □ □□ □□□

□□□ □□ □□□ : "□ □□□□□□ □□ □□□□ , □□□

□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□

□□□□ □□□□□□□ , □□□□□ □□□ □□□□□□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□

□□□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□

□□ □□□□□□□ " □□ □□ □□□□□ : "□□□□□ □□□□ □□□□□

□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ ?" □□□□□□□□□□ □□□□ : "□□

□□□□□ " □□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□

□□□□□□□□ : "□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□□□□

□□ □□□□□□ □□ □□□□ "6 □□□□□□ , □□ □□□□□□□ □□

□ □□□□□ □□□□□□ □□ , □ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□

□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□

□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□

□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ , □□□□□□

□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ , □□□□□□ □□□□□

□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□

□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□

□□ □□□□□□ □□ , □□ □□ □□□□ □ □□□□ □□ □□□□□

□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□

□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□

□□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ , □□ □□□□□□ □□

□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ : "□□ □□□□ □□ □□□□□ □□

न भूलो। "7

मुश्किल चाहे जितनी बड़ी लगे, अल्लाह
का यह वादा याद रहे: "और जो अल्लाह से डरता है, अल्लाह उसके लिए रास्ता
निकाल देता है। "8 अल्लाह तआला हर घर की मुश्किल आसान करे, और मियाँ बीवी को एक दूसरे के लिए सुकून और रहमत का ज़रिया बनाए। आमीन।

संदर्भ :

1 क़ुरआन 4:19,

2 क़ुरआन 4:128,

3

क़ुरआन 4:35,

4 क़ुरआन 2:229,

5 क़ुरआन 2:231,

6

सहीह अल -बुख़ारी 5273,

7 क़ुरआन 2:237,

8

क़ुरआन 65:2.